संज्ञा का परिवर्त्तन या विकार

संज्ञाओं में परिवर्त्तन तीन कारणों से होता है –

(i) लिंग के कारण

(ii) वचन के कारण

(iii) कारक के कारण

लिंग

लिंग का अर्थ है चिह्न। जिस चिह्न से जाति के होने का बोध होता है, उसे लिंग कहते हैं। कोई शब्द स्त्री जाति अथवा पुरुष जाति के होते हैं। हिंदी में दो ही लिंग हैं - पुंलिंग और स्त्रीलिंग। हिन्दी में चेतन (मानव या मानवेतर), अचेतन (वस्तु या भाव) सभी को दो वर्गों में बाँट दिया जाता है, अर्थात् उन्हें पुंलिंग या स्त्रीलिंग में रखा जाता है।

मानव वर्ग के लिंग निर्णय में कठिनाई नहीं होती, जैसे –

★ पुंलिंग - पुरुष, धोबी, बाप, बेटा, नाना, फूफा, नेता, दाता

★ स्त्रीलिंग - स्त्री, धोबिन, माँ, बेटी, नानी, फूफी, नेत्री, दात्री

कुछ मानवेतर प्राणियों का लिंग-निर्णय करना भी आसान है, जैसे –

★ पुंलिंग - हाथी, बकरा, शेर, बाघ, बैल,. साँड़, भैंसा, भेड़ा, ऊँट

★ स्त्रीलिंग - हथिनी, बकरी, शेरनी, बाघिन, गाय, भैंस, भेड़, ऊँटनी

मानवेतर प्राणियों में कुछ ऐसे प्राणी हैं, जो केवल पुंलिंग या केवल स्त्रीलिंग में ही प्रयुक्त होते हैं, जैसे –

★ पुंलिंग - कौआ, मच्छड़, पक्षी, तोता, नेवला, बाज, केंचुआ

★ स्त्रीलिंग - कोयल, मक्खी, चिड़िया, मैना, गिलहरी, चील, जोंक

इन शब्दों का लिंग स्पष्ट करने के लिए नर या मादा शब्द जोड़ा जाता है, जैसे- नर कौआ - मादा कौआ। नर कोयल - मादा कोयल।

अतएव हिन्दी के प्रत्येक शब्द का लिंग जानना जरूरी है। हम शब्द जानें तो उसका लिंग भी जान लें।

लिंग निर्णय के विविध आधार होते हैं –

(i) शब्द वर्ग के आधार पर

(ii) शब्दान्त मात्रा के आधार पर

शब्द वर्ग के आधार पर पुंलिंग

(क) शरीर वर्ग - ओंठ, कान, बाल, नाखून, खून, हाथ, पाँव, दाँत,
अपवाद - आँख, नाक, जीभ, पीठ, जाँघ, नस, कोहनी, हड्डी

(ख) भोजन वर्ग - लड्डू, समोसा, पकौड़ा, पेठा, पेड़ा, रसगुल्ला, भात
अपवाद - दाल, रोटी, पुड़ी, चपाती, सब्जी, खीर, कचौड़ी, जलेबी, रसमलाई, खिचड़ी, तरकारी

(ग) फल वर्ग - आम, पपीता, खरबूजा, सेव, संतरा, केला, अंगूर
अपवाद - लीची, नारंगी, ककड़ी, नाशपाती

(घ) रत्न वर्ग - मोती, माणिक, पन्ना, हीरा, जवाहिर, मूँगा, नीलम, पुखराज
अपवाद - मणि

(ङ) धातु वर्ग - ताँबा, लोहा, सोना, सीसा, काँसा, पीतल, टीन, राँगा
अपवाद - चाँदी

(च) शस्य वर्ग - जौ, चावल, गेहूँ, बाजरा, धान, चना, तिल
अपवाद - मकई, जुआर, मूँग, अरहर, खेसारी

(छ) ग्रह वर्ग - सूर्य, चन्द्रमा, शुक्र, मंगल, शनि, वृहस्पति
अपवाद - पृथ्वी

(ज) वर्ण वर्ग - अ, आ, उ, ऊ
अपवाद - इ, ई, ऋ

(झ) जल-स्थल वर्ग- पहाड़, पर्वत, रेगिस्थान, द्वीप, समुद्र, सरोवर, हिमालय
अपवाद - तराई, घाटी, नदी, पहाड़ी, झील

(ञ) द्रव पदार्थ वर्ग - शरबत, घी, तेल, जल, पानी, दूध, दही, मट्ठा
अपवाद - चाय, कॉफी, छाछ, स्याही, शराब

(ट) वृक्ष वर्ग - आम, कटहल, देवदार, बरगद, चीड़, शीशम, सागौन, अशोक
अपवाद - खिरनी, इमली, मौलसिरी

शब्द वर्ग के आधार पर स्त्रीलिंग

(क) नदी वर्ग - गंगा, यमुना, महानदी, ऋषिकुल्या, झेलम, राबी
अपवाद - सोन, सिंधु, ब्रह्मपुत्र

(ख) नक्षत्र वर्ग - अश्विनी, रोहिणी, विशाखा, पूर्वाषाढ़ा

(ग) भाषा वर्ग - ओड़िआ, हिन्दी, संस्कृत, उर्दू, अंग्रेजी

(घ) तिथि वर्ग - तृतीया, अमावास्या, पूर्णिमा

(ङ) दुकान-सामग्री वर्ग - इलायची, लौंग, सुपारी, हल्दी, हींग
अपवाद - तेजपात, कपूर, मसाला, धनिया, जीरा, नमक

शब्दान्त मात्रा के आधार पर पुंलिंग

★ अ, अन, आस, आर, आय, ख, ज त, त्य, त्व, त्र, न व, य, से अन्त होनेवाले तत्सम शब्द; जैसे —

त्याग, क्रोध, दोष, वचन, साधन, विकास, ह्रास, विकार, संसार, उपाय, अध्याय, मुख, शंख, सरोज, पंकज, गीत, स्वागत, नृत्य, साहित्य, सतीत्व, महत्त्व, नेत्र, पवित्र, प्रश्न, पालन, गौरव, लाघव, कार्य, धैर्य

अपवाद — विजय, विद्युत, आय

★ आ, आन, आव, आवा, आर, ना (क्रियार्थक सज्ञाएँ), आब, खाना, न, दान, पन, पा, से अन्त होने वाले हिन्दी / उर्दू शब्द; जैसे —

झगड़ा, लगान, मिलान, बहाव, चढ़ाव, बढ़ावा, भुलावा, इनकार, पढ़ना, आना, हिसाब, गुलाब, डाकखाना, जेलखाना, खत, फूलदान, पीकदान, बचपन, कालापन, बुढ़ापा, पुजापा

अपवाद - उड़ान, पहचान, किताब, शराब, दुकान, सरकार

शब्दान्तमात्रा के आधार पर स्त्रीलिंग

★ आ, इ, इमा, उ, ता, ति, ना, नि, या, सा से अन्त होनेवाले तत्सम शब्द; जैसे—

पूजा, प्रतिमा, छवि, विधि, गरिमा, महिमा, मृत्यु, ऋतु, स्वतंत्रता, साधुता, गति, रीति, रचना, प्रार्थना, हानि, ग्लानि, विद्या, क्रिया, मीमांसा, जिज्ञासा

★ अन, आ, ईर, ईल, आई, ई, इया, ऊ, ख, त, श, स, वट, हट, ह से अन्त होनेवाले हिन्दी / उर्दू शब्द; जैसे –

जलन, सूजन, दवा, दुनिया, जागीर, तस्वीर, तामील, तहसील, पढ़ाई, कटाई, गरीबी, बीमारी, खटिया, गुड़िया, झाड़ू, बालू, चीख, भूख, इज्जत, कीमत, कोशिश, बारिश, प्यास, सजावट, लिखावट, चिकनाहट, चिल्लाहट, सलाह, सुबह

अपवाद - होश, चालचलन, ताश, दस्तखत, वक्त, माह, गुनाह

लिंग परिवर्त्तन के नियम

पुंलिंग शब्दों को स्त्रीलिंग में परिवर्तन करने के लिए जो प्रत्यय लगते हैं, उन्हें स्त्री प्रत्यय कहते हैं। ऐसे भी कुछ शब्द हैं जिनके पुंलिंग रूप तथा स्त्रीलिंग रूप पूरी तरह अलग अलग होते हैं। नीचे लिंग परिवर्त्तन के कुछ नियम दिये जा रहे हैं –

१. अकारांत शब्दों में 'आ' जोड़कर –

पुंलिंग	स्त्रीलिंग	पुंलिंग	स्त्रीलिंग
वृद्ध	वृद्धा	सुत	सुता
प्रिय	प्रिया	प्रियतम	प्रियतमा
शिष्य	शिष्या	तनय	तनया
कनिष्ठ	कनिष्ठा	छात्र	छात्रा

२. अकारांत शब्दों में 'ई' जोड़कर –

पुंलिंग	स्त्रीलिंग	पुंलिंग	स्त्रीलिंग
देव	देवी	हंस	हंसी
पुत्र	पुत्री	हिरन	हिरनी
कुमार	कुमारी	ब्राह्मण	ब्राह्मणी
दास	दासी	मेंढक	मेंढकी

३. आकारंत शब्दों में 'ई' जोड़कर –

पुंलिंग	स्त्रीलिंग	पुंलिंग	स्त्रीलिंग
लड़का	लड़की	बकरा	बकरी
दादा	दादी	भतीजा	भतीजी
बेटा	बेटी	बूढ़ा	बूढ़ी
घोड़ा	घोड़ी	मामा	मामी

४. अकारांत शब्दों में 'इया' जोड़कर –

पुंलिंग	स्त्रीलिंग	पुंलिंग	स्त्रीलिंग
कुत्ता	कुतिया	गुड्डा	गुड़िया
बूढ़ा	बुढ़िया	बन्दर	बन्दरिया
बेटा	बिटिया	बाछा	बछिया
चूहा	चुहिया	लोटा	लुटिया

५. कुछ प्राणिवाचक और व्यवसायवाचक शब्दों में 'इन' जोड़कर –

पुंलिंग	स्त्रीलिंग	पुंलिंग	स्त्रीलिंग
बाघ	बाघिन	नाई	नाइन
साँप	साँपिन	तेली	तेलिन
नाग	नागिन	धोबी	धोबिन
सुनार	सुनारिन	नाती	नातिन

६. कुछ प्राणिवाचक शब्दों में 'नी' जोड़कर –

पुंलिंग	स्त्रीलिंग	पुंलिंग	स्त्रीलिंग
मोर	मोरनी	हाथी	हथिनी
शेर	शेरनी	सिंह	सिंहनी
ऊँट	ऊँटनी	जाट	जाटनी
स्यार	स्यारनी	गरीब	गरीबनी

७. कुछ प्राणिवाचक शब्दों में 'आनी' जोड़कर –

पुंलिंग	स्त्रीलिंग	पुंलिंग	स्त्रीलिंग
देवर	देवरानी	नौकर	नौकरानी
जेठ	जेठानी	सेठ	सेठानी
चौधरी	चौधरानी	मेहतर	मेहतरानी

८. शब्दान्त 'अक' को 'इका' बनाकर –

पुंलिंग	स्त्रीलिंग	पुंलिंग	स्त्रीलिंग
पाठक	पाठिका	सेवक	सेविका
बालक	बालिका	अध्यापक	अध्यापिका
लेखक	लेखिका	नायक	नायिका
कारक	कारिका	पाचक	पाचिका

९. शब्दान्त 'ई' को 'इनी' बनाकर –

पुंलिंग	स्त्रीलिंग	पुंलिंग	स्त्रीलिंग
तपस्वी	तपस्विनी	स्वामी	स्वामिनी

१०. शब्दान्त में 'आइन' जोड़कर –

लाला	ललाइन	ठाकुर	ठकुराइन

११. शब्दान्त वान/मान को वती/मती बनाकर –

पुंलिंग	स्त्रीलिंग	पुंलिंग	स्त्रीलिंग
धनवान	धनवती	श्रीमान	श्रीमती
ज्ञानवान	ज्ञानवती	शक्तिमान	शक्तिमती
बलवान	बलवती	आयुष्मान	आयुष्मती
भाग्यवान	भाग्यवती	बुद्धिमान	बुद्धिमती

१२. पुंलिंग बनाने के लिए कुछ स्त्रीलिंग शब्दों में प्रत्यय लगाकर –

पुंलिंग	स्त्रीलिंग	पुंलिंग	स्त्रीलिंग
ननदोई	ननद	भेड़ा	भेड़
बहनोई	बहन	भैंसा	भैंस

१३. कुछ शब्दों में 'नर' और 'मादा' शब्द जोड़कर –

पुंलिंग	स्त्रीलिंग	पुंलिंग	स्त्रीलिंग
नर कोयल	मादा कोयल	नर कौआ	मादा कौआ
नर गिलहरी	मादा गिलहरी	नर खरगोश	मादा खरगोश

१४. पुंलिंग और स्त्रीलिंग के लिए अलग अलग शब्दों का व्यवहार –

पुंलिंग	स्त्रीलिंग	पुंलिंग	स्त्रीलिंग
पिता	माता	युवक	युवती
भाई	बहन / भाभी	वर	वधू
मर्द/आदमी	औरत	बैल/साँड़	गाय
राजा	रानी	साहब	मेम
बाप	माँ	नर	मादा
ससुर	सास	पुत्र	कन्या
पति	पत्नी	बादशाह	बेगम
पुरुष	स्त्री	दाता	दात्री
विद्वान	विदुषी	कवि	कवयित्री
सम्राट	सम्राज्ञी	भ्राता	भग्नि
विधुर	विधवा	जनक	जननी

अभ्यास

१. नीचे लिखे वाक्यों की रेखांकित संज्ञाओं के लिंग बताइए –

(i) आसमान में <u>बादल</u> घिर आये।

(ii) दूर का <u>पहाड़</u> सुन्दर लगता है।

(iii) मेरी <u>परीक्षा</u> पन्द्रह दिन सरक गयी है।

(iv) आपके घर की <u>छत</u> से पानी रिसता है।

(v) मैंने उसकी <u>सुन्दरता</u> की सराहना की।

(vi) हम देश की <u>इज्जत</u> की रक्षा करेंगे।

(vii) आज दाल थोड़ी सी पतली हो गयी है।

(viii) आपको शराब नहीं पीनी चाहिए।

(ix) उसे लज्जा नहीं आती।

(x) दूध से दही बनता है।

२. ध्यान दीजिए कि क्रिया पदों का लिंग कर्म के स्थान पर आई संज्ञा के अनुसार है। निम्न सारणी के शब्दों से सही वाक्य बनाइए –

मोहन ने	साबुन	खरीदा।
बहेलिए ने	बाण	चलाया।
राजू ने	किताब	खरीदी।
गोपाल ने	साइकिल	चलायी।
उसने	मेज	बनायी।
आपने	चित्र	बनाया।
सीता ने	कलम	खो दी।
गीता ने	रबड़	खो दिया।
उसमें	धैर्य	नहीं था।
उसमें	शक्ति	नहीं थी।

३. नीचे लिखी गयी संज्ञाओं के पहले विशेषण अच्छा या अच्छी का उचित प्रयोग कीजिए :

हिन्दी, घड़ी, इमारत, नौकरी, दया, परदा, गाड़ी, झाड़ू, प्रथा, नतीजा, दुकान

४. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलिए –

बेटी, भगवान, स्त्री, पुत्र, घोड़ा, मनुष्य, साँप, बच्चा, युवक, छात्र

५. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बताइए –

आँख, शरीर, इज्जत, कहानी, बात, झगड़ा, भीख, तलवार, खेत, नौकरी

६. आप अपनी पाठ्यपुस्तक से कुछ अप्राणिवाचक शब्द चुनिए और उनके लिंग भी जानिए।

७. **देखिए मज़ा -**

ग्रन्थ - पुंलिंग	पुस्तक - स्त्री लिंग
	किताब - स्त्री लिंग
जल - पुंलिंग	
मेघ - पुंलिंग	
पानी - पुंलिंग	धानी - स्त्री लिंग
पवन - पुंलिंग	हवा - स्त्री लिंग
शहर - पुंलिंग	नहर - स्त्री लिंग
थाल - पुंलिंग	दाल - स्त्री लिंग
	बिजली - स्त्री लिंग
	इमली - स्त्री लिंग
सरौता - पुंलिंग	सरिता - स्त्री लिंग
	नदी - स्त्री लिंग
आरा - पुंलिंग	धारा - स्त्री लिंग
पर्वत - पुंलिंग	
पहाड़ - पुंलिंग	
वन - पुंलिंग	
गोंद - पुंलिंग	गेंद - स्त्री लिंग
बल्ला - पुंलिंग	
जौ - पुंलिंग	गौ - स्त्री लिंग
कौआ - पुंलिंग	कोयल - स्त्री लिंग
कुर्ता - पुंलिंग,	कमीज - स्त्री लिंग
लहंगा - पुंलिंग	साड़ी - स्त्री लिंग
परमात्मा - पुंलिंग	आत्मा - स्त्री लिंग
भात - पुंलिंग	बात - स्त्री लिंग

पाठ्य विषयों से ऐसे शब्द छाँटिए और उनका लिंग जानिए ।

८. ध्यान दीजिए कि संज्ञा के लिंग के अनुसार क्रिया भी बदलती है —

घोड़ा दौड़ता है ।	घोड़ी घास खाती है ।
लड़का खाता है ।	लड़की खाती है ।
पवन चलता है ।	हवा चलती है ।
बड़ी गर्मी लगती है ।	दिसंबर में जाड़ा बढ़ जाता है ।
उसके हाथ लंबे हैं ।	उसकी मूँछ लंबी है ।

इन वाक्यों को पढ़ने से साफ जाहिर होता है कि हिंदी में हर संज्ञा पद का लिंग होता है । प्राणिवाचक शब्दों में लिंग जान लेना आसान है, मगर अप्राणिवाचक वस्तुओं का लिंग भी जानना जरूरी है । भाषा के प्रयोग में अभ्यास करने पर यह मालूम पड़ जाता है । लेकिन शुरू में प्रत्येक शब्द का लिंग जान लेना जरूरी होता है । आप ऐसे शब्दों का प्रयोग करके दस वाक्य बनाइए ।

निम्नलिखित शब्दों के पुंलिंग रूप लिखिए :

धोबिन	मालिन	नौकरानी
डाक्टरानी	मास्टरानी	देवरानी
बालिका	औरत	सास
नानी	दादी	पुत्री
शिष्या	बच्ची	माता
शेरनी	मोरनी	भैंस
भेड़	बकरी	मुर्गी
चाची	बहिन	भानजी
ऊँटनी	मालकिन	सम्राज्ञी
सेठानी	मेहतरानी	हथिनी
श्रीमती	विदुषी	तपस्विनी
बेगम	पत्नी	भाभी
वधू	गुणवती	स्वामिनी
सेविका	लेखिका	गायिका
अध्यापिका	पाठिका	नायिका
ननद	कवयित्री	बाघिन
भिखारिन	भगवती	युवती
देवी	मानवी	राक्षसी